चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-11-25	3	3-5

कार्यक्रम • एचएयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले डॉ. संजय

भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों का बढ़ता दोहन गंभीर चुनौती

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा. संजय कुमार, कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य सफर 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में आयोजित सम्मेलन का उद्‌घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड एएसआरबी के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन एचएयू एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

एएसआरबी चेयरमैन डॉ. संजय कुमार ने कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत् संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। सतत् कृषि और इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मानव आबादी के लिए प्रर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के अलावा पशुधन के लिए चारे व दाने की आपूर्ति करना भी उतना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संसाधन प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है, ताकि कृषि उत्पादन टिकाऊ हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	3	7-8

प्राकृतिक संशाधन राष्ट्र की धरोहर जरूरत अनुसार उपयोग करें

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि डा संजय कुमार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . बलदेव राज काम्बोज एवं अन्य । पीआरओ

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डा. संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसायटी फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आइएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. डीपी सिंह व बायर क्राप साइंस के निदेशक डा. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे। एएसआरबी चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने कहा कि विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-11-25	2	3-6

सम्मेलन **खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग विकास, खाद्य अपव्यय में कमी और किसानों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण आवश्यक : डॉ. संजय**

भूमि, जल और ऊर्जा पर बढ़ता दबाव गंभीर चुनौती

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य (सफर 2025) विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ सोमवार को हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन डॉ. संजय कुमार ने किया।

एचएयू में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल वर्कशॉप में पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार, एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

उन्होंने कहा कि तीव्र विकास के इस युग में भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। सतत संसाधन प्रबंधन न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है, बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है।

डॉ. संजय ने कहा कि बढ़ती आबादी के लिए पर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के साथ पशुधन के लिए चारा और दाने की उपलब्धता भी आवश्यक है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों का विकास, खाद्य अपव्यय में कमी व किसानों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण समय की मांग है।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में संसाधन प्रबंधन की भूमिका पर बल देते हुए किसानों से नैनो फर्टिलाइजर, रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के संतुलित उपयोग की अपील की। इस अवसर पर विषय से संबंधित कई पुस्तकों का विमोचन किया गया।

विशिष्ट अतिथि फ्रांस के आर्थर रीडैकर ने सतत कृषि और खाद्य पर्यावरण पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मृदा में ऑर्गेनिक कार्बन का संतुलित स्तर बनाए रखते हुए लैंड यूज एफिशिएंसी बढ़ाने पर बल दिया। एसएसएआरएम के अध्यक्ष एवं जबलपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह ने सोसायटी द्वारा विद्यार्थियों के लिए दी जाने वाली फैलोशिप और देश-विदेश में आयोजित सम्मेलनों की जानकारी दी।

बायर क्रॉप साइंस के कृषि मामलों के निदेशक डॉ. राजबीर राठी ने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए ठोस प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके बहल, टर्की, जापान, फ्रांस और डेनमार्क के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आपस में जुड़े हुए हैं कृषि, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सतत संसाधन प्रबंधन को अपनाना आवश्यक है। पिछले पांच वर्षों में विश्वविद्यालय ने राया, गन्ना, मूंग और गेहूं सहित 44 उन्नत किस्में विकसित की हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-11-25	2	5-8

भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बना: डा.संजय कुमार

कहा, प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर, आवश्यकताओं अनुरूप ही प्रयोग करें

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क प्रतिनिधि ले रहे हैं भाग

हिसार, 3 नवम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ए.एस.आर.बी.) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आई.एन.आर.ए.ई. के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

ए.एस.आर.बी. चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है।

भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत् संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। सतत् कृषि और इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मानव आबादी के लिए प्र्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के अलावा पशुधन के लिए चारे व दाने की आपूर्ति करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल जरूरी: प्रो काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संसाधन प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादन टिकाऊ हो।

उन्होंने बताया कि गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने राया, गन्ना, मूंग और गेहूं सहित विभिन्न फसलों की 44 उन्नत किस्में विकसित की है।

इसके अतिरिक्त विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। विशिष्ट अतिथि फ्रांस के आर्थर रीडैकर ने सतत् कृषि, खाद्य पर्यावरण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए

उन्होंने लैंड यूज एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए मृदा में उचित आर्गेनिक कार्बन का स्तर बनाए रखते हुए फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर बल दिया। एस.एस.ए.आर.एम. के प्रधान एवं जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डी.पी. सिंह ने सोसाइटी द्वारा विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली फैलोशिप के बारे में बताया व देश-विदेश में आयोजित की गई सम्मेलनों के बारे में जानकारी दी।

बायर क्रॉप साइंस के कृषि मामलों के निदेशक डॉ. राजबीर राठी ने बताया कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए उचित प्रयास करने जरूरी हैं। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं एसएसएआरएम से जुड़े डॉ. आरके बहल भी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	4-11-25	9	2-7

जागरूकता भूमि, जल व उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बना : डॉ. संजय कुमार

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की धरोहर, आवश्यकता अनुरूप प्रयोग करें

- टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार ने किया जबकि विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। जबलपुर कृषि विवि के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी मौजूद रहे। डॉ संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परंतु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। सम्मेलन में उपरोक्त विषय से संबंधित विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

चुनौतियों को तालमेल जरूरी : प्रो. काम्बोज

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संसाधन प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादन टिकाऊ हो। विशिष्ट अतिथि फ्रांस के आर्थर रीडैकर ने सतत कृषि, खाद्य पर्यावरण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लैंड यूज एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए मृदा में उचित आर्गेनिक कार्बन का स्तर बनाए रखते हुए फसलों की उत्पादकता बढाने पर बल दिया। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं एसएसएआरएम से जुड़े डॉ. आरके बहल भी उपस्थित रहे।

शोध कार्यों की दी जानकारी

सम्मेलन में सभी का स्वागत करते हुए आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सम्मेलन के संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज रिर्सच, हिसार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5-11-25	8	6-8

एचएयू में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कई देशों के प्रतिनिधि

'आवश्यकता अनुसार हो संसाधनों का प्रयोग'

हिसार, 3 नवंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

एएसआरबी चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परंतु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। प्राकृतिक संसाधनों को आवश्यकता के अनुसार ही प्रयोग हो। सतत कृषि और इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मानव आबादी के लिए प्रर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के अलावा पशुधन के लिए चारे व दाने की आपूर्ति करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने नैनो फर्टिलाइजर, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपरोक्त विषय से संबंधित विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल	03.11.2025		

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर, आवश्यकता के अनुरूप ही प्रयोग करें: डॉ संजय

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क प्रतिनिधि ले रहे हैं भाग

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

एएसआरबी चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत् संसाधन प्रबंधन का महत्व ओर भी बढ़ जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	03.11.2025		

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर, आवश्यकताओं अनुरूप ही प्रयोग करें : डॉ संजय कुमार

चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल जरूरी : प्रो काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार, । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साईस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

एएसआरबी चेयरमैन डॉ संजय कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज विकास तीव्र गति से हो रहा है परन्तु इसके साथ ... दोहन भी हो रहा है। भूमि, जल और उर्जा संसाधनों पर बढ़ता दबाव मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ऐसे में सतत् संसाधन प्रबंधन का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह न केवल कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाता है बल्कि खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करता है। सतत् कृषि और इसकी आवश्यकताओं पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि मानव आबादी के लिए प्रर्याप्त खाद्यान्न उत्पादन के अलावा पशुधन के लिए चारे व दाने की आपूर्ति करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। इसके साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण, उद्योगों का विकास, खाद्य अपव्यय में कमी तथा किसानों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में संसाधन प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नैनो फर्टिलाइजर, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपरोक्त विषय से संबंधित विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया गया।

चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल जरूरी : प्रो काम्बोज

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि क्षरण और रासायनिक प्रदूषण जैसी चुनौतियां तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सतत संसाधन प्रबंधन अपनाना समय की आवश्यकता है ताकि कृषि उत्पादन टिकाऊ हो। उन्होंने बताया कि गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने राया, गन्ना, मूंग और गेहूं सहित विभिन्न फसलों की 44 उन्नत किस्में विकसित की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि इजाद की गई उन्नत किस्मों ने हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों में रिकार्ड उत्पादन किया है। हकृवि द्वारा विकसित किस्मों की मांग अन्य राज्यों में निरंतर बढ़ती जा रही है। इस सम्मेलन से विद्यार्थियों को शोध करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

विशिष्ट अतिथि फ्रांस के आर्थर रीडैकर ने सतत् कृषि, खाद्य पर्यावरण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लैंड यूज एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए मृदा में उचित आर्गेनिक कार्बन का स्तर बनाए रखते हुए फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर बल दिया।

एसएसएआरएम के प्रधान एवं जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह ने सोसाइटी द्वारा विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली फैलोशिप के बारे में बताया व देश-विदेश में आयोजित की गई सम्मेलनों के बारे में जानकारी दी।

बायर क्रॉप साईस के कृषि मामलों के निदेशक डॉ. राजबीर राठी ने बताया कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए उचित प्रयास करने जरूरी हैं। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं एसएसएआरएम से जुड़े डॉ. आरके बहल भी उपस्थित रहे।

सम्मेलन में सभी का स्वागत करते हुए आयोजन सचिव व अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय में किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्मेलन के संयोजक एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क के प्रतिनिधि, देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट के प्रतिनिधि, इंडियन सोसाइटी ऑफ फॉरेज रिसर्च, हिसार के प्रतिनिधि सहित हकृवि के कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	03.11.2025		

प्राकृतिक संसाधन राष्ट्र की अमूल्य धरोहर, इनका आवश्यकता अनुरूप ही प्रयोग करेंः डॉ संजय कुमार

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में टर्की, जापान, फ्रांस व डेनमार्क प्रतिनिधि ले रहे हैं भाग

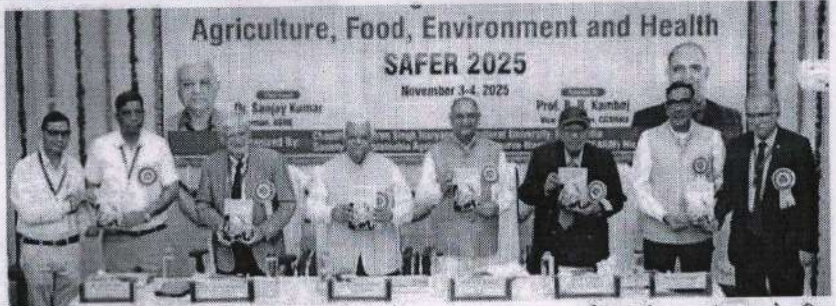

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'संसाधन प्रबंधन, सतत् कृषि, खाद्य, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य' (सफर) 2025 विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) के चेयरमैन एवं मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने किया जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। यह सम्मेलन हकृवि एवं सोसाइटी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, (एसएसएआरएम) हिसार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। सम्मेलन में फ्रांस के आईएनआरएई के पूर्व वैज्ञानिक, 2007 के नोबेल पुरस्कार विजेता आर्थर रीडैकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस दौरान जबलपुर कृषि विश्वविश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह व बायर क्रॉप साइंस के निदेशक डॉ. राजबीर राठी भी मंच पर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन के लिए स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में संसाधन प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने नैनो फर्टिलाइजर, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का सिफारिश के अनुसार प्रयोग करने का आह्वान किया।

सम्मेलन में उपरोक्त विषय से संबंधित विभिन्न पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि गत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय ने राया, गन्ना, मूंग और गेहूं सहित विभिन्न फसलों की 44 उन्नत किस्में विकसित की है। इसके अतिरिक्त विभिन्न फसलों की उन्नत किस्में विकसित करने की प्रक्रिया जारी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	1	1

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से

हिसार • विज्ञप्ति : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलिंपिक संघ द्वारा 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से 6 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में होने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 4 नवंबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज करेंगे। प्रतियोगिता के निदेशक एवं प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-11.25	5	6

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 नवम्बर से, सभी भार वर्गों में होंगे रोचक मुकाबले

हिसार, 3 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से 6 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में होने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 4 नवम्बर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज करेंगे। यह जानकारी देते हुए प्रतियोगिता के निदेशक एवं प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लड़के-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लड़के) में सभी भार वर्गों में रोचक मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पहलवान भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	4-11.25	9	1

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती स्पर्धा आज से

हिसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से 6 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में होने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 4 नवंबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज करेंगे। प्रतियोगिता के निदेशक एवं प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लडके-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लडके) में सभी भार वर्गों में रोचक मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-11-25	4	3

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में 700 पहलवान दिखाएंगे दावपेंच

हिसार, 3 नवम्बर (नांदवाल): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन द्वारा 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से 6 नवम्बर तक आयोजित की जाएगी। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में होने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 4 नवंबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज करेंगे।

यह जानकारी देते हुए प्रतियोगिता के निदेशक एवं प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लड़के-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लड़के) में सभी भार वर्गों में रोचक मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पहलवान भाग लेंगे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	03.11.2025		

हकृवि में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता कल से

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा 27वीं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 4 से 6 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। गिरी सेंटर स्थित शहीद मदनलाल ढींगरा मल्टीपर्पज हॉल में होने वाली इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 4 नवंबर को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज करेंगे।

700 प्रतिभागी लेंगे भाग

यह जानकारी देते हुए प्रतियोगिता के निदेशक एवं प्रशिक्षक संजय मलिक ने बताया कि राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता (लडक़े-लड़कियां) एवं ग्रीको रोमन (लडक़े) में सभी भार वर्गों में रोचक मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान भाग लेंगे।